हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजनिया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, सोमवार 13 मई 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

सुने मकान में लगी आग, गृहस्थी जलाकर हुई खाक

मण्डला। उपनगर महाराजपुर में रविवार को एक मकान में अचानक आग लग गई। आगजनी में गृहस्थी का पूरा समान जल कर खाक हो गया। घटना के समय घर में कोई नहीं था। पड़ोसियों ने घर से धुआं उठता देख घर के लोगों और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया है। महाराजपुर पुलिस मौके पर पहुंच गई है। फिलहाल आग लगने के कारणों और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर को महाराजपुर स्टेडियम के पास रहने वाले राजेन्द्र राय के घर में आग लग गई। सौरभ राय ने बताया कि उसके माता-पिता बाहर गए हुए हैं, वह और उसका भाई भी काम में निकल गए थे। दोपहर के वक्त जब घर में कोई नहीं था तब अचानक आग लग गई। स्थानीयजनों ने बताया कि उनके घर में आग लगने से कपड़े, नगदी, जेवर, अनाज, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सहित गृहस्थी का पूरा सामान जलकर नष्ट हो गया। उन्होंने आगजनी की इस घटना से करीब 15 लाख का नुकसान होने की संभावना जताई है। फिलहाल महाराजपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है।

समाजसेवियों के सहयोग से बची गौ माता की जान

घुघरी। घुघरी मुख्यालय के बस स्टैंड में विगत दिवस एक गाय अचानक बीमार हो गई। जिसके बाद गाय की हालत ज्यादा बिगड़ गई। दर्द से बेहद कराह रही थी और गाय का पेट भी फूल गया था। नाक से खून भी निकलने लगा था। स्थानीयजनों ने बताया कि शायद गाय ने कोई नशीली वस्तु खाई ली है, जिसके कारण गाय बीमार हो गई। गाय को तकलीफ में देखते हुए स्थानीय समाजसेवियों ने मदद के लिए आगे आए। बताया गया कि गाय की तकलीफ देखकर समाजसेवियों ने उसके दर्द को कम करने की कोशिश की। वहीं कुछ लोगो ने पशु एम्बुलेंस को तत्काल सूचना दी। सूचना मिलते ही पशु एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। जहां पशु चिकित्सक पुष्पेंद्र झारिया और गौ सेवक राजेश झारिया द्वारा तत्काल गाय का उपचार शुरू किया। कुछ घंटो की मशक्कत के बाद तडफ़ती गाय को आराम मिला। इस दौरान समाजवेसी अनिल पांडे, दुर्गेश प्रजापति, राजू सिंगौर, निक्की समेत अन्य स्थानीय लोगों के सहयोग से गाय की जान बच सकी।

निलंबन के बावजूद शासकीय आवास में डेरा डाले हुए है डॉक्टर

क्यों नहीं छोड़ा जाता आवास

*** सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भुआ बिछिया का है मामला।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

लोकायुक्त कार्यालय जबलपुर को मंडला ज़िले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया मैं वर्षों से पदस्थ डॉ दिनेश कुमार टकशांडे खंड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया के विरुद्ध शिकायत प्राप्त होने पर डॉ. दिनेश कुमार टकशांडे को दिनांक 6/1/2022 को बीस हज़ार की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया था परिणामस्वरूप संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएँ मध्यप्रदेश पत्र क्रमांक 4/ शिका. सेल व्ही. सी /2022/31 भोपाल दिनांक 7/1/2022 को डॉ दिनेश कुमार टकशांडे द्वारा किए गए उक्त कृत्य के परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम-3 के उपनियम 1,2, * का उल्लंघन कार्य अनुशासनात्मक कार्यवाही के भागी बन गये एवम् पूरे प्रदेश में विभाग की छवि को धूमिल माना गया और अपने पदीय दायित्व के प्रति गंभीर एवं उदासीनता बरतने के परिणाम स्वरूप मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम 1965 के नियम 9 (1) के अन्तर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया। एवं निलंबन काल के दौरान भ्रष्टाचारी डॉ. दिनेश कुमार टकशांडे को मुख्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला नरसिंहपुर किया गया। बावजूद एक भ्रष्टाचारी डॉ. अंगद का पैर बनकर वर्तमान समय में भी बीएमओ के शासकीय आवास पर डेरा डालके बैठे हुए हैं अब समझ यह नहीं आ रहा है कि इस भ्रष्टाचारी डॉ को किसका संरक्षण है ऐसा नहीं है कि जानकारी उच्च अधिकारियों को नहीं है पर सब देखते हुए भी किसी तरह की कोई कार्यवाही नहीं हो पा रही है जबकि पूरा शासन-प्रशासन शासकीय आवासों की कमी से वैसे ही जूझ रहा है सामुदायिक स्वास्थ्य के केंद्र भुआ बिछिया में वैसे ही हमेशा से डॉक्टरों की कमी रही है और जो डॉ. आते हैं वो रहने की व्यवस्था के नाम पर कोई मण्डला से आये हैं तो कोई नैनपुर से ड्यूटी करने आते हैं क्योंकि निलंबन के बावजूद 2 वर्षों से भ्रष्ट डॉ. बीएमओ शासकीय आवास पर कुंडली मारकर बैठा हुआ है। जबकि कमरा खाली करने का आदेश तक भ्रष्ट डॉ. के नाम पर आ चुका है। अभी अंतिम आदेश कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मण्डला के द्वारा पत्र क्रमांक/विकास/2024/934 दिनांक 14/02/2024 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया के शासकीय भवन को रिक्त करने के आदेश दिया गया एवं आदेश में यह भी कहा गया कि भ्रष्ट डॉ. कूटरचित ढंग से पुरानी पुरानी तारीख में आवास आवंटन का पत्र बनाया गया, डॉ के ऊपर निलंबन पश्चात भी पुरानी तारीख में हस्ताक्षर कर अपने लाड़ले कर्मचारियों को फायदा पहुंचाने का कार्य जैसे आरोप भी हैं, जिसमे बीएमओ के पद के ऊपर अपने हस्ताक्षर कर परिसर का शासकीय आवास आवंटन कर दिया, जबकि उसी आवास को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा एक शासकीय नर्स को आवंटित किया गया था। जिसका ताला तोड़कर डॉ. द्वारा उक्त आवास पर कब्जे की कोशिश की गई। डॉ. दिनेश कुमार के ऊपर बीएमओ पदनाम के ऊपर अपने हस्ताक्षर कर कूटरचित ढंग से शासकीय आवास का आवंटन किया जाना आपराधिक कृत्य माना गया पूर्व में भी भ्रष्टाचारी डॉ के ऊपर आरोप है कि पैसा लेकर एक नर्स को डॉ. क्वाटर शासकीय आवास को नर्स को आवंटित किया गया जबकि नर्स की मूल पदस्थापना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मवई में है, और एक शासकीय आवास MPW गोवर्धन धुर्वे जिसकी मूल पदस्थापना सब सेंटर केवलारी में पदस्थ है उनको सामुदायिक स्वास्थ्य के के केंद्र बिछिया में शासकीय आवास का आवंटन कर दिया गया, जबकि डॉ. दिनेश के निलंबन के बाद कभी भी उनकी पदस्थापना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया में नहीं हुआ उसके बावजूद प्रशासन एक भ्रष्टाचारी डॉ. अंगद के पैर की तरह दो वर्षों में उसी जगह पर उसी शासकीय आवास पर कुंडली मारकर बैठा हुआ है। जबकि डॉ. दिनेश कुमार टकशांडे 2012-13 में भी एक बार निलंबन हो चुके थे उस वक़्त भी जो आरोप इस भ्रष्टाचारी डॉ. पर लगे थे वो भी धोखाधड़ी का आरोप ही था एक ही समय पर दो जगह नियुक्ति का मामला था, उसके बावजूद पैसों के दम पर उसी जगह पैसों की सांठ-गांठ के दम पर उसी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया में वापिस बीएमओ बनकर वापिस आ गये। इस भ्रष्टाचारी डॉ. के खिलाफ 2023 में भी लोकायुक्त द्वारा कार्यवाही करने एवं बीएमओ की नियुक्ति और लापरवाही की जाँच की खानापूर्ति किया गया था जिस वक़्त डॉ. दिनेश प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिझोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया में संलग्न किये गये थे जबकि लोकायुक्त द्वारा भ्रष्टाचार करते पकड़े जाने के कारण जिले से बाहर स्थानांतरित किया जाना था उस संबंध में भी जांच हुई पर वह भी खानापूर्ति कर बंद कर दिया गया।

जिस कमरे में उक्त डॉक्टर का कब्जा है स्वास्थ्य केन्द्र में लगे सीसीटीव्ही का पूरा कंट्रोल उसी कमरे स्थापित है कल को यदि कोई घटना घटित होती है तो क्या होगा यह सुविधा बीएमओ के कार्यालय में होना चाहिये पर 02 वर्षो से घर पर लगी हुई है मजबूरीवश यहां पदस्थ कर्मचारी भी उक्त डॉक्टर की सेवा में लगे रहते हैं। शासकीय आवास को निजी संपत्ति की तरह उपयोग किया जा रहा है जबकि आपातकालीन सेवा देने वाले डॉक्टर इस भवन का उपयोग कर सकते हैं लेकिन ऐसा हो नहीं पा रहा आखिर क्या कारण है कि शासन-प्रशासन उक्त निलंबित डॉक्टर के कब्जे से शासकीय आवास मुक्त नहीं करा पा रहा।

मातृ दिवस पर किया गया विश्व शांति भवन के सभागृह में कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय मण्डला के तत्वाधान में ब्रह्माकुमारीज संस्थान के ₹मेडिकल विंग₹ द्वारा ₹अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस₹ का कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम ब्रह्माकुमारीज मार्ग, बस स्टैंड के पीछे स्थित ₹विश्व शांति भवन₹ के सभाग्रह में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ मण्डला की क्षैत्रीय संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी ममता दीदी, स्त्री रोग विशेषज्ञ बहन डॉ नृपिका पथारिया, सरदार पटेल स्कूल ऑफ नर्सिंग इंस्टीट्यूट के प्रशासनिक अधिकारी आशीष ज्योतिषी , सरदार पटेल स्कूल ऑफ नर्सिंग इंस्टीट्यूट के वाईस प्रिंसीपल बहन नमिता जी, भ्राता प्रेम नारायण साहू, सीनियर नर्सिंग स्टाफ बहन इंद्रा , भ्राता गौरव यादव एवं नर्सेस सहित इंस्टिट्यूट के नर्सेस स्टूडेंट उपस्थित रहे। सर्वप्रथम ब्रह्माकुमारी शिवकुमारी बहन ने मंचासीन अतिथियों का तिलक लगाकर और गुलदस्ते देकर स्वागत किया। इसके साथ सभी नर्सेस का भी तिलक लगाकर पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। कुमारी नमृता ने सभी अतिथियों और नर्सेस के सम्मान में बहुत सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। ब्रह्माकुमारी ममता दीदी ने सर्वप्रथम सभी को नर्सेस दिवस की शुभकामनाएं दीं और कहा कि हमारे लिए बहुत बहुत खुशी का दिन है जो हमारे जीवन को बचाती हैं और सुरक्षित रखती हैं, उन नर्सेस बहनों का आज हम अंतर्राष्ट्रीय नर्सेस दिवस पर सम्मान कर रहे हैं। आज यह कार्यक्रम ब्रह्माकुमारीज के विश्व शांति भवन के सभागृह कर रहे हैं जिससे कि आप सभी पवित्र और योगयुक्त वाइब्रेशन का अनुभव कर सकें। राजयोग के माध्यम से परमपिता परमात्मा से अपने अंदर शक्तियां लेकर हम अपने कार्य करें। आप नर्सेस के साथ दुआयें बहुत हैं क्योंकि आप सभी निःस्वार्थ भावना से मरीजों का ख्याल रखते हैं। बीके गौरव भाई ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान और मेडिकल प्रभाग का परिचय दिया एवं मेडिकल प्रभाग की सेवाओ से सभी को अवगत कराया। भ्राता आशीष ज्योतिषी जी ने सभी को नर्सेस दिवस की शुभकामनायें दीं और कहा कि हमारे जीवन मे बीमारियां आती है तो सबसे पहले नर्स की आवश्यकता होती है। नर्सेस स कहा कि नर्सिंग की फंडामेंटल को फॉलो करते हुए देश की तरक्की में योगदान दें। इसके साथ नर्सिंग इंस्टीट्यूट के स्टाफ और नर्सेस का सम्मान करने के लिए ब्रह्माकुमारी ममता दीदी का धन्यवाद दिया। डॉ नृपिका जी ने कहा कि नर्सेस हॉस्पिटल और मेडिकल सेंटर्स की नींव होती हैं। समाज और हेल्थकेयर इंडस्ट्री में नर्सों के योगदान अतुलनीय है। बहन नमिता चौरसिया ने कहा कि नर्सेस देश का भविष्य होती हैं। निःस्वार्थ भावना से मरीजों की सेवा करती हैं। इसके बाद ब्रह्माकुमारी ममता दीदी ने सभी मंचासीन अतिथियों को ईश्वरीय सौगात प्रदान की।

अंजनिया में अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद

*** आचार संहिता के बीच झोपड़ी बनाकर कर लिया कब्जा।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/अंजनिया

स्थानीय प्रशासन की मौन चुप्पी और अभय दान के चलते जनपद पंचायत बिछिया के अंतर्गत ई ग्राम पंचायत अंजनिया में एक बार फिर अतिक्रमण के हौसले बुलंद होते दिखाई दे रहे हैं। इससे वे सरकारी भूमि पर सबसे पहले झोपड़ी तान और बाद में मकान बना ले रहे हैं। पर प्रशासन हाथ पर हाथ धरे हुए बैठा है। पिछले दिनों विधानसभा चुनाव के चलते किए गए कब्जे पर कार्यवाही कर वाहवाही लूट रहा है 1 बताया जाता है कि इन अतिक्रमणकारियों को स्थानीय प्रशासन हिदायत देने के बावजूद भी ये अपनें बाज से परे नहीं आ रहे है और जमकर ग्राम में कहीं भी सरकारी पड़ी भूमि पर कब्जा जमा कर बैठ रहे हैं। इसके चलते ग्राम वासी राजस्व विभाग की कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े कर रहे हैं की क्यों इन पर राजस्व की कार्यवाही नहीं हो रही।

ग्राम पंचायत नें दिया नोटिस

फिलहाल ग्राम पंचायत के द्वारा तहसील में पत्राचार कर अतिक्रमण कार्यों पर कार्यवाही की मांग की है जिसमें प्रथम लक्ष्मीबाई द्वितीय सुभय यादव और चौकी के सामने व्यक्तियों के द्वारा जबरन कब्जा कर झोपड़ी बनाकर बाद में पक्का मकान बनाने की कोशिश की जा सकती है।

सब्जी से भरी पिकअप हाइवे से जा नीचे पलटी चालक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/अंजनिया

नेशनल हाईवे 30 में जिले के अंजनिया चौकी अंतर्गत रविवार को एक बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में हाईवे में चलती पिकअप ब्रिज से जा नीचे खाई में जा पलटी। घटना में चालक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वही पूरी घटना को लेकर बताया जाता है कि सब्जी से लोड पिकअप राजनंदगांव से मंडला मंडी जा रही थी तभी एन.एच. 30 में चौकी अंजनिया अंतर्गत सरईटोला मार्ग के पास हाइवे में बने पुल से जा नीचे उतर पलट गई। तब तक ड्राइवर कुछ समझ पाता वह गाड़ी में ही फंसा रहा और दम तोड़ दिया। फिलहाल घटना की जानकारी पुलिस को लगते ही वह मौके पर पहुंच ग्रामीणों की मदद से पिकअप के सामने बोनट में दबे ड्राइवर को निकाला जहां मृतक चालक की पहचान मंगल सिंह पिता शिवराज मरावी ग्राम बरखेड़ा विकासखंड बिछिया पाई गई है। फिलहाल पुलिस शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजन को सौंप दिया है।

घोटाला | **मार्च में मृतकों के नाम अन्य खातों में डाली गई सैलरी का जिम्मेदार कौन।**

निवास में हुये घोटाले का मास्टर माइंड कौन

*** शराबी ऑपरेटर को क्यों नहीं हटाया गया।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/निवास

बीते चार सालों से मृतक शिक्षकों के नाम सैलरी के साथ इनकी पेंशन भी निकाली जा रही हो, और इस हेराफेरी की कुल राशि को सत्रह शिक्षकों के खाते में दस से पचास लाख रुपये तक मार्च माह में ट्रांसफर किया गया जिसमें कई विभागीय मद की राशि व छात्रवृत्ति के लगभग एक लाख रूपये सहित करोड़ों रुपये की बंदरबांट करने के खेल में अकेला कंप्यूटर ऑपरेटर हो यह संभव ही नहीं है, वहीँ वर्ष 2020 से चल रहे इस घोटाले की असल शूत्रधार वर्तमान बीईओ भले ही न हो पर मार्च 2024 में हुई कई लाखों की हेराफेरी के मामले में पदेन बीईओ की संलिप्तता से इंकार नहीं किया जा सकता।

शराब का आदी है ये युवा कंप्यूटर ऑपरेटर

जिला शिक्षा विभाग सहित निवास ब्लॉक शिक्षा विभाग का यह पहला मामला है जब एक शराबी कंप्यूटर ऑपरेटर सुनील बर्मन जो दैनिक वेतन कर्मी है और ऑफिस के कर्मचारियों के मुताबिक यह लगभग दिनभर ही नशे में रहता है, ऐसे में एक महिला बीईओ अधिकारी जिनको दिनभर कंप्यूटर ऑपरेटर से ऑन लाईन ऑफिसियल कार्य करवाने सहित कई कार्यों में कठिनाई पेश आने पर कंप्यूटर के सामने बैठकर समझने व समझाना पड़ता हो ये मजबूरी दर्शाती संगती के पीछे का राज भी विभागीय चर्चा का विषय बना हुआ है।

दूसरा उक्त धांधलीबाज ऑपरेटर को हटाने कई बार पूर्व बीईओ अधिकारी द्वारा प्रयास किया गया, लेकिन उक्त ऑपरेटर को हटाने में सभी असफल रहे, हो सकता कि इसके पीछे की वजह लंबे समय से शासन की आँखों में धूल झोंककर हर महीने मृतक शिक्षकों के नाम निकाली जा रही कई लाखों की सैलरी से मिलने वाला हिस्सा हो, जिसकी जानकारी होने पर सभी जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी उक्त कंप्यूटर ऑपरेटर का साथ देते हुये इस भ्रष्टाचार रूपी नदी में गोता लगाते रहे।

लेखा बाबू की भूमिका भी है संदिग्ध

किसी भी कार्यालय में बाबू (लिपिक) के द्वारा रिकार्ड संधारण में मुख्य भूमिका होती है बीईओ कार्यालय निवास में बैठे बाबू जिनकी कार्यप्रणाली भी संदेहास्पद है कि आखिर कैसे किसी कर्मचारी के सर्विस रिकॉर्ड में वह मृत भी है और जीवित भी, इस धांधली में निवास शिक्षा विभाग सहित जिला के संबंधित कर्मचारियों द्वारा कूट रचित रिकॉर्ड संधारण हो सकता है।

टिकरिया थाने के अंतर्गत गुलजार सट्टा कारोबार

*** सट्टा कारोबारियों को मिल रही प्रशासन की सह।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

मण्डला जिले के अंतर्गत जबलपुर मंडला नेशनल हाईवे पर स्थित टिकरिया थाना अंतर्गत अवैध कारोबार अपनी चरम सीमा पर है गांव कस्बों में जुआ सट्टा का कारोबार दिन ब दिन फल फूल रहा है परंतु पुलिस प्रशासन इन अवैध कारोबारियों पर लगाम लगाने में असफल साबित हो रहा है वहीं दूसरी तरफ पुलिस प्रशासन चुट पुट कार्रवाई करके वाह वाही लूटने का काम करता है परंतु सख्त कार्रवाई करने में पुलिस प्रशासन के पसीने छूटते नजर आते हैं

आखिर क्या है मजबूरी, जिला प्रशासन क्यों नहीं ले रहा एक्शन

जिले में बैठे आला अधिकारियों को इन अवैध कारोबार की सम्पूर्ण जानकारी रहती है परंतु इन आला अधिकारियो पर कुछ नेताओं का दबाव होने के कारण यह अधिकारी एक्शन लेने में संकोच करते हैं पुलिस प्रशासन जिन सट्टा पट्टी लिखने वाले असमाजिक तत्वों पर कार्रवाई करती है कुछ दिनों बाद वह पुनः अपने अवैध कारोबार को प्रशासन में बैठे कुछ अधिकारियों के सपोर्ट से शुरू कर देते हैं

नाबालिग बच्चे लगा रहे दांव

सट्टा के अवैध खेल में फस कर बर्बाद हुए लोगों की गृहस्थी उजड़ गई है और जिनके ऊपर भारी कर्ज हो गया वह आत्महत्या करने को मजबूर हो गए हैं, ऐसे कई केस देखने को मिल रहे हैं , जहां इस अवैध सट्टा के खेल में फस कर स्कूली बच्चों से लेकर बूढ़े-जवान तक बर्बाद हो रहे हैं , परंतु प्रशासन इन अवैध कारोबारी और दलालों पर कोई कार्यवाही नहीं करता है जिसके चलते अब यह दलाल खुलेआम सट्टा पट्टी गली मोहल्ले और चौराहा में बैठकर लिख रहे हैं और गांव तथा नगर का माहौल खराब कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

पंचायती राज में हो रही अनियमितताओं को शायद सुनने वाला कोई नहीं?

सालीचौका। इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र के अनेक पंचायतों में जिस प्रकार से मनमानी हावी हुई है शायद ही इस प्रकार की कभी देखी गई हो? क्योंकि पंचायतों में अनियमितता और मनमानी करने वालों को यत्र-तत्र जयकार होती आ रही है, पंचायती राज में तो भ्रष्टाचार का विकेन्द्रीकरण हो गया है, जिसकी अनेको शिकायते हुइं या फिर होती है उन पर क्या कार्यवाही होती है किसी को कोई पता ही नही चलता है, इतना ही नहीं शिकायतों को ठंडे बस्ते में डाल देने का क्रम लगातार जारी है? त्रिस्तरीय पंचायती राज में पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अपने सगे संबंधियों व छुट भैया नेताओं को देना, पंचायत की राशि का दुरूपयोग करना, गरीबों के नाम पर आई योजनाओं का बंदर बांट करना आम बात होते हुए दिखाई पड़ रही है? परिणाम स्वरूप योजनाओं के असली हक दार योजनाओं की जानकारी के अभाव में पंचायतों की ओर ताकते रहते हैं, किंतु उन्हें योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है, इस बात की शिकायत करने पर शिकायतकर्ता को ठेंगा दिखाने से पंचायत के कर्णधार पेट का खाना तक की योजनाओं में धांधली करने से नहीं चूक रहे हैं? भले ही सरकार द्वारा गरीबों के नाम पर अनेक प्रकार की योजनाएं चलाते हुए उनके उद्वार की बात कही जा रही है, मगर सही मायने में देखा जावे तो पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत आने वाले अनेक गांवों में आज भी गरीब तबका अपने परिवार के साथ दयनीय स्थिति में है, वह न ईलाज न शिक्षा न रहने का ठौर ठिकाना अपने लिए बना पा रहा है यह बात अलग है कि सरकार द्वारा आवास हीन लोगों के नाम पर योजना चला दी गई है। मगर इस योजनाओं के हितग्राहियों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो गांवो में जाकर आसानी से देखा जा सकता है कि उसके सही पात्र हितग्राही आज भी टूटे हुए भवनों में निवास कर रहे है और पंचातयों के कर्णधारों के संगे संबंधियों के इस योजना का लाभ लेते हुए पक्के भवन बन रहे है? इस प्रकार से क्षेत्र की अनेक पंचयातों में देखा जा रहा है कि पंचायत प्रतिनिधि अपनी मनमानी के चलते रूपया कमाना अपनी शान समझते हुए पंचायती राज की धज्जियाँ उड़ने में कोई कसर छोड़ने से नही चूक रहे हैं? वही दूसरी ओर क्षेत्र की अनेक पंचायतो का हाल तो इस प्रकार से दिखाई दे रहा है।

सड़कों पर घूम रहे आवारा जानवरों से दुर्घटनाओं की बढ रही संभावनाएं

गाडरवारा। शहर में चहुँओर आवारा जानवरो के जमावड़े धमा चौकड़ी खबरे लगातार अखबारों की सुर्खियो में बने रहने के बाद भी नगर में अभी तक उन्मुक्त घूमने वाले बिना धनीधोरी के जानवरो के विचरण की समस्या हल नहीं हुई है, पूर्व में नपा. ने आवारा जानवरो के नियंत्रण के लिए हाका गैंग बनाकर पशु पालको को अपने पशु घर पर रखने की चेतावनी भी दी थी। किन्तु कथित तौर पर नपा. के आवारा जानवरों के नगर में विचरण की रोक के प्रयास बेअसर साबित हुए और इन दिनों हालत यह है कि आवारा जानवरों व पशुओं का आतंक चरम पर पहुँच रहा है, बताया जाता है कि शक्कर नदी पुल, शुक्रवारा बाजार, थाना, कचहरी के प्रांगण, शालाओं के इर्दगिर्द, पानी की टंकी के पास के सब्जी बाजार व नगर की मुख्य सड़को पर रात दिन आवारा जानवरों की मौजूदगी से कई बार जाम लगने के हालात बन जाते है और यातायात बाधित हो जाता है, आटो, दो पहिया वाहन चालको ने बताया कि गर्मी की रातो के समय सड़को पर जब अँहधेरा छाया रहता है तो चौराहो, स्टेशन रोड, झंडा चौक पर आवारा जानवरों का झुंड उमड़नें से उन्हे वाहन चलाने में दिक्कत तो होती है, साथ ही दुर्घटनाओं का अंदेशा भी बना रहता है, वही बड़े वाहन चालको का कहना है कि शक्कर नदी पुल के आगे झुंड में बैठे आवारा जानवर दूर से नही दिखते और जब गाड़ी उन तक पहुँचती है, तो अचानक ब्रेक लगाने से अनहोनी की आशंका बनी रहती है।

सूरज की तेज तपन के बीच प्यास से व्याकुल होकर शहर की सड़कों पर घूम रहे मूक पशु

नगर में करोड़ों के विकास कार्य होने के बाद भी प्रशासन पशुओं के लिये चंद पानी टंकियों के निर्माण में दिख रही है असमर्थता

हरिभूमि द्वारा हर वर्ष इस मुद्दे को लेकर उठाई जाती रही है मांग, पशुओं की लाचारी पर नहीं दिया कोई ध्यान...

गाडरवारा

इन दिनों सूरज की तेज तपन का आलम इस तरह देखा जा रहा है कि पारा धीरे धीरे उग्र होते हुये आग बरसाने में कोई कसर नही छोड़ रहा है जिसके चलते लोग अपने घरों में लुकने के लिये मजबूर होते चले जा रहे है तो ठंडक का अहसास पाने के लिये अनेक प्रकार के ठंडे द्रव्यों का सेवन करते हुये दिखाई दे रहे है। मगर इस स्थिति में शहर की सड़को पर घूमने वाले मूक पशुओं को अपनी प्यास बुझाने के लिये व्याकुल होकर नालियों का पानी पीने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है और इसी के चलते वह नालियों में गिरने से घायल होना आम बात बन रही है? क्योंकि सूरज की तेज तपन के चलते हर व्यक्ति के चंद मिनिटों में सूख रहे कंडों को पानी की जरूरत महसूस हो रही है और वह किसी भी तहर से अपनी प्यास बुझा लेते है। मगर हर साल सबसे बुरा हाल तो उन मूक पशुओं का होते हुये देखा जाता है जो नदी नालों के भरोसे रहा करते है। मगर इस समय नगर की शक्कर नदी की धाराएं टूटने की ओर पहुंचते हुये दिखाई देने लगी है। इस स्थिति में मूक पशुओं को अपने सूखें हुये कंठ की प्यास बुझाने के लिये नगर में कही पर भी कोई व्यवस्था ही नही रह गयी है। शहर की जीवन रेखा माने जाने वाली शक्कर नदी के इतिहास पर गौर किया जावे तो इस शक्कर नदी में जिस प्रकार से बारह महिने कल कल बहता हुए पानी दिखाई देता था जो बीते हुये कुछ वर्षो से गर्मी आने के पहले ही अपनी धाराये समेट लेती है और यही हाल अभी से दिखाई देने लगा है? इस हाल के चलते मूक पशुओ के लिये सबसे बड़ी परेशानी झेलने के लिये मजबूर होने से नही बच पायेगे। क्योंकि इन मूक पशुओं को पानी पीने के लिये शहर में कोई प्रबंध नही होने की स्थिति में वह नालियों का गंदा पानी पीकर किसी भी प्रकार से अपनी प्यास बुझाने के लिये मजबूर होने की स्थिति में अक्सर देखा जाता है कि वह पानी की चाहत के चलते इन नालियों में गिरकर घायल होने से भी नही बच पाते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई समय पड़ रही सूरज की तेज तपन के बीच देखने मिल रही है। क्योंकि चल रहे मई माह में सूरज आग उगलते हुये दिखाई दे रहा है आने वाले दिनों में नवतपा के दौरान सूरज की तपन का क्या हाल होगा इसका अनुमान आसानी से लगाया जा सकता ह। इस स्थिति में जहां तहां जल स्त्रोत सूख जाने के कारण मूक पशुओं को पानी को लेकर परेशान होना आम बात बन चुकी है। क्योंकि नगर की शक्कर नदी की सिमटती हुई जल धाराओं के कारण नगर के पालतू पशु पीने के पानी को लेकर परेशान हो रहे है तो दूसरी ओर जंगली जानवर भी पानी की तलास में यहां बहां भटकते हुए देखे जा रहे है। नगर की शक्कर नदी में पानी की कमी होने के कारण पशुओं के लिए नगर में कही भी पानी पीने के लिए कोई उचित व्यस्था नही होने से वह गंदी नालियों में पानी खोज कर किसी भी तरह अपने प्यास बुझा रहे है और इसके कारण और नगर में बनी हुई गहरी नालियों में आये दिन मूक पशु गिरकर घायल होने से भी नही बच पा रहे है। मगर इस ओर आज तक न तो प्रशासन द्वारा कोई ध्यान दिया गया है और न ही जनप्रतिनिधियों द्वारा यदि नगर के अंदर पशुओं को पानी पीने के लिये जहां तहा बडी टंकियों का निर्माण करा दिया जाता तो निश्चित ही यह मूक पशु जहां अपनी प्यास बुझा लेते तो दूसरी ओर इन टंकियों का उपयोग उन लोगों को भी मिल जाता जो किसी काम से यहां पर आये हुये होते है। प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर शासकीय चिकित्सालय में भर्ती होने वाले मरीजों के साथ आने वाले लोगों के आलवा शहर में अपने अन्य कार्यो के लिए बाहर से आये हुए लोगों को भी नहाने से लेकर अन्य कार्यो को लेकर परेशान होते हुये देखा जाता है। पूर्व के समय में जब शक्कर नदी की धाराये बारह माह बहती थी तो लोग वहां पहुंचकर स्नान कर लेते थें। मगर अब गर्मी आने के पहले नदी के सूख जाने से पशुओं के साथ साथ चिकित्सालय में भर्ती रहने वाले मरीजों के परिजनों सहित अन्य लोगों को परेशानियों से जूझना पड़ता है? जबकि गौर किया जावे तो हरिभूमि द्वारा प्रतिवर्ष गर्मी आते ही नगर में जहां तहां घूम रहे प्यासे मवेशियों को लेकर नपा प्रशासन से नगर में खनन किये गये नलकूपों के समीप पानी टंकियों (बडे टाकों) के निर्माण की मांग की जाती रही है। मगर आज तक इस ओर न तो नपा के जनप्रतिनिधियों द्वारा ध्यान दिया गया है और नही प्रशासनिक तंत्र द्वारा जिसके चलते मूक पशुओं को पानी पीने के लिये व्यवस्था को लेकर किसी भी प्रकार की सोच नही होने के कारण मवेशी हर वर्ष गर्मी के दिनों में अपनी प्यास बुझाने के लिए भटकते हुए देखे जाते है। इस प्रकार से पानी के लिए भटकते हुए मवेशियों की स्थिति को देखते हुए लोगों द्वारा मांग की जा रही है कि यदि नगर पालिका परिषद द्वारा नगर में जहां तहां चल रहे नलकूपों के पास 3*10 साईज के टांकों का निर्माण करवा दिया जावे तो जहां यह कार्य नगर पालिका के हतिहास में महत्तव पूर्ण उपलब्धी के रूप में दर्ज होने से नही चूक पायेगा? वही गर्मी के भटकते हुए पशुओं के साथ साथ साथ आम लोगों के लिए एक राहत भरा हो सकता है। आमजन का कहना है कि नलकूपो के पास इस प्रकार के टांकों का निर्माण हो जाता है तो उन्हें अलग से भरने की जरूरत तो पड़ने से रही क्योंकि नगर पालिका के नलकूप बड़ी टंकी को भरने के लिए तो दिन भर चलते ही रहते है और उसी से एक नल जोड़ते हुए इन टांकों को भी भरा जा सकता है जिसके चलते जहां मवेशियों को पीने के लिए ठंडा पानी भी उपलब्ध हो सकता है और बाहर से नगर में अपने जरूरी कामों से आने वाले लोगों को भी स्नान के लिए सुबिधा उलब्ध हो सकती है, मगर पता नही क्यों इस पशुओं की बेवशी को प्रशासन सहित जनप्रतिनिधियों द्वारा नजर अंदाज कर दिया जाता है।

एक साल पहले लाखों रूपया की सरकारी राशि खर्च करते हुये स्कूलों में बनाई गई टंकिया, अनेक जगहों पर नहीं मना पाई अपना पहला जन्म दिवस

सांईखेड़ा

सरकार द्वारा शासकीय शिक्षण संस्थाओं में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं को पीने के पानी को लेकर किसी भी प्रकार से परेशान न होना पड़े इस बात को ध्यान में रखते हुये एक नई योजना चलाते हुये लाखों रूपया खर्च किये जाते है। मगर देखा जाता है कि सरकार द्वारा चलाई जाने वाली यह योजनाये अधिकारियों से लेकर संबंधित ठेकेदारों के लिये मलाई साबित होते हुये देखी जाती है, जिसके चलते शासन की लाखों रूपया की राशि खर्च होने के बाद भी वह निर्माण कार्य अपना एक जन्म दिन मनाने के पहले ही गायब नजर आने लगते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये वर्ष स्कूलों में बच्चों को पानी पीने के लिये टंकियों का निर्माण कराया गया था। मगर शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में देखा जावे तो एक वर्ष पहले बनाई गई यह टंकिया जहां गायब नजर आ रही है तो दूसरी ओर अनेक जगहों पर टंकियों में लगे हुये नल टूटे दिखाई दे रहे है। बताया जाता है कि शासन की योजना के स्कूलों में बच्चों को आसानी से पानी उपलब्ध कराये जाने की सोच के चलते एक वर्ष पहले पानी टंकियों का निर्माण कराते हुये उनमें अनेक नल लगाये गये थें। इस कार्य को पूर्ण करने के लिये ठेकेदारों को जिम्मेदारी सौपी गई थी। मगर सही मायने में देखा जावे तो सरकार की इस योजना के चलते मात्र सरकारी धन की होली खेलने के आलवा और कुछ साबित होते हुये नजर नही आया है? क्योंकि ठेकेदार द्वारा इन टंकियों में नल लगाने का कार्य पूर्ण करते हुये वहां की फोटो अधिकारियों को भेजने के बाद जिस तरह इतिश्री की गई थी उसका परिणाम है कि निर्माण के चंद दिवस उपरांत ही वह नल टूटकर गिरते हुये दिखाई देने

से नही चूक पा रहे थें तो दूसरी ओर अब देखा जावे तो स्कूलों में निर्मित यह टंकिया व नल अपना पहला जन्म दिवस मनाने के पहले ही गायब नजर आने लगी है? क्योंकि जब भी कोई सीमेन्ट से संबंधित निर्माण कार्य होता है तो कुछ दिनों तक उसकी पानी के माध्मम से तराई की जाती है तब कही वह निर्माण कार्य मजबूत होता है। मगर निर्माण कार्य करने वाली संस्था द्वारा मात्र निर्माण कार्य की औपचारिकता पूर्ण करते हुये उन्हें भुला दिया गया था जिसका परिणाम क्षेत्र की शिक्षण संस्थाओं में निर्माण के चंद दिवस बाद टूटते हुये नलों के रूप में आसानी से देखने मिलना शुरू हो गया था और एक साल का समय पूरा भी नही गुजर पाया है और नल से लेकर टंकिया गायब नजर आने लगी है? कुछ इसी प्रकार से जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली अनेक ग्राम पंचायतों की माध्यमिक शाला भवन में आसानी से देखने मिल सकता है जहां पर इन टंकियों का लगभग एक वर्ष पहले निर्माण कार्य किया गया था मगर निर्माण के दौरान अपनाई गई गुणवत्ता तथा उनकी तराई को लेकर ठेकेदार द्वारा कोई कदम नही जाने के चलते शासन की राशि की होली खेलने के समान साबित होने से नही चूक पाया है। यह बात अलग है कि कुछ स्कूलों के शिक्षको द्वासरा जरूरी अपनी जागरूकता सहित दायित्वो का निष्ठा के साथ पालन किया गया था जिसके चलते वहां की टंकिया आज सुरक्षित नजर आ रही है। मगर यह सच्चाई मात्र चंद स्कूलो में ही देखने मिल सकती है।

इस तरह ठेकेदार की जिम्मेदारी का कार्य शिक्षकों को करते हुये शासन की राशि को बर्बाद होने से बचाया गया है। इस सच्चाई को देखते हुये सबाल यह पैदा हो रहा है कि आखिरकार इस तरह औपचारिकता पूर्ण कार्य के नाम पर सरकार के धन की होली खेलने का क्या औचित्व है..? वही दूसरी ओर स्कूलों में टंकियों के निर्माण के नाम पर खर्च हुई राशि का निष्ठा के साथ जांच की जावे तो निश्चित तौर से चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है।

निजी फाइनेंस कंपनियों ने गांव गांव फैलाया अपना गोरखधंधा

सांईखेड़ा

कुछ दिनों तक रोक लगने के बाद अब फिर क्षेत्र के गॉवों मे ऐसी निजी फाइनेंस कम्पनियों से जुड़े हाईटेक युवकों की रेडी उतर आयी है जो छोटे धंधों की शुरूआत के लिए ग्रामीण महिलाओं को ऋण देने का आश्वासन देकर अपने प्रलोभन के जाल मे गॉवों की भोली भाली अशिक्षित महिलाओं को फॅसाकर बड़े मीठे अंदाज मे उनका आर्थिक शोषण कर रहे है,हासिल जानकारी के अनुसार क्षेत्र के आसपास अनेक गांवों मे लम्बे समय से एक तथा कथित फाइनेंस कम्पनी से सम्बंधित कुछ युवक गॉव की महिलाओं को आत्मनिर्भरता का पाठ सिखाते हुए उन्हे ठगने की लगातार कोशिश कर रहे है? ज्ञात हुआ है कि उक्त कंपनी की तरफ से पति पत्नी की साथ फोटो प्रस्तुत करने पर महिलाओं को धंधा शुरू करने के लिए 8 हजार रू. लोन दिया जाता है तथा ऋण लेने वाली ग्रामीण महिला से हर हप्ते 20 रू. बीमा की राशि वसूल की जाती है?

सूत्रों के अनुसार इन फाइनेंस कम्पनी से जुड़े लगभग 18-20 वर्ष के युवक हर सम्ताह ग्रामीण महिलाओं की बैठक भी करते है, जिसमें वे महिलाओं को लच्छेदार भाषा मे समझाते है कि छोटा व्यापार कर ग्रामीण महिलाऍ काफी धन कमा सकती है, विदित हुआ है कि ग्रामीण महिलाऍ इन युवकों की बाते सुनकर विभोर होकर अपने लड़कों की उम्र के फायनेंस कम्पनी के युवकों को सर कहने लगती है और उनसे ऋण लेने तैयार हो जाती है,जागरूक ग्रामवासियों के अनुसार असल मे निजी फायनेंस कम्पनी का सारा नेटवर्क शोषण के आधार पर टिका है और 5 वर्ष मे ऋण लेने वाली महिलाऍ काफी आर्थिक नुकसान मे पड़ जायेगी? उल्लेखनीय है कि पूर्व मे भी क्षेत्र मे निजी फायनेंस कम्पनियों के गोरखधंधें की बहुत सी शिकायते सामने आयी थी, लेकिन आश्चर्य की बात है कि अभी तक प्रशासन ने इन कम्पानियों की कारगुजारियों पर अंकुश लगानें की पहल नही की गई है जिसका परिणाम है कि आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में बाहरी लोगों द्वारा इस गोरखधंधे को लगातार बढ़ाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है।

खेतों में झूलते बिजली तारों से दहशत में दिखाई दे रहे क्षेत्र के किसान

सांईखेड़ा। जिस प्रकार से देखा जा रहा है कि बिजली विभाग द्वारा एक ओर अपने बिजली बिलों की बसूली को लेकर तो सभी प्रकार के माप दंडों का उपयोग करते हुए किसानों से पैसा बसूने में उनके घरों में रखी हुई सामग्री तक जप्त करने से नही चूक रही है? मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि बिजली विभाग द्वारा अपनी विद्युत लाईनों के रख रखाब की ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने के कारण प्रति वर्ष क्षेत्र के किसानों को बिजली विभाग की लापरवाही के चलते आर्थिक क्षति का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। क्योंकि बिजली विभाग की उदासीनता का परिणाम है कि किसानों के खेतों से निकली हुई बिजली लाईनों की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि वह वर्षो पुरानी होने के कारण उनके तार झूला के समान झूलते हुए दिखाई दे रहे है और वह तार जरा से हवा चलते ही एक दूसरे से टकरा जाने की स्थिति में आग की चिन्गारी छोड़ना चालू कर देते है। इसके चलते किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसलों में आग लग जाने के कारण किसानों को आर्थिक क्षति का सामना करने के लिए प्रतिवर्ष मजबूर होते हुए देखा जाता है, जिसका उदाहरण इस समय क्षेत्र के अनेक गांवों में देखने भी मिल रहा है जहां पर किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसले आये दिन आग से जलकर खाक होने से नही चूक रही है। क्योंकि क्षेत्र के गांवों की मेन्टेनेस व्यवस्था पर बिजली विभाग द्वारा ध्यान नही दिये जाने के कारण गांवो में किसानों की सिंचाई हेतु स्थापित किये गये ट्रांसफार्मर भी जल जाते है जिनकों बदलवाने के लिए क्षेत्र के किसानों को बिजली विभाग के अधिकारियों के अनेक चक्कर लगाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इस स्थिति में देखा जावे तो जहां किसानों के खेतों में आग लगने के कारण उन्हें आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ता है वही दूसरी ओर कई दिनों तक बिजली बंद रहने के कारण उनकी सिंचाई का कार्य भी प्रभावित होता है। इस प्रकार से क्षेत्र के किसानों के खेतों में खडी हुई फसलों के ऊपर झूलते तारों के चलते दहशत में दिखाई पड़ रहे है।

परेशानियों से जूझ रहे क्षेत्रवासियों को अनेक संकटों से करना पड़ रहा है सामना, शासन की योजना पर सवाल

सांईखेड़ा

भले ही सरकार द्वारा आम लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक प्रकार की योजनाएं चलाते हुए लगातार विकास के बादे किये जा रहे है, मगर यदि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की सच्चाई पर जाया जावे तो वह योजनाएं कागजो तक ही सीमित नजर आने से नही चूक रहे है तथा इसी के चलते शासन द्वारा चलाई जा रही संपूर्ण योजनाओं पर प्रश्न चिन्ह लगने से नही चूक रहा है? इस बात की सच्चाई जनपद पंचायत सांईखेड़ा क्षेत्र के तहत आने वाले अनेक ग्रामों में ग्रामीणजन मूल भूत सुविधाओं से वंचित हैं, ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के बाद भी ग्रामीणजन रोजगार की तलाश में पलायन को मजबूर हैं? क्योंकि ग्रमीणों की समस्या के समाधान के लिये ना तो अधिकारी पहल कर रहे हैं और ना ही जनप्रतिनिधि, इसी वजह से ग्रमीणों को शासकीय राशन दुकानों से खद्यान्न, कैरोसीन, शक्कर, पेयजल के साथ-साथ स्वास्थ्य जैसी आम सुविधाओं के लिये भी कठिनाइंयों का सामना करना पड़ रहा है? ग्रामों को जोड़ने वाली सड़के जीर्णशीर्ण अवस्था में हैं। लेकिन इनकी मरम्मत के लिये कोई कारगर कदम नहीं उठाये जा रहे हैं, वही देखा जावे तो वर्तमान स्थिति में क्षेत्र के अनेक ग्रामों में हैंडपंप बिगड़ी हालत में पड़े हें और कुछ दूषित पानी उगलते हैं, जिसे ग्रामीणजनों को निस्तार के साथ साथ पीने के उपयोग में भी लाना पड़ता है, ग्राम्यांचलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिये भी शाला भवन तो बन गये हैं मगर उनमें शिक्षकों का टोटा है, शिक्षकों की कमी होने से गरीब बच्चें अपनी आगे की पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते है खैर अभी तक स्कूल बंद चल रहे है? मगर शिक्षण सत्र के दौरान देखा जाता हे कि क्षेत्र की अनेक शालाओं में पदस्थ शिक्षक शिक्षिकायें मनमाने ढंग से अपने गृहनगर से समय बेसमय आना जाना करते है, जिसकी जानकारी विभागीय अधिकारियों को भी रहती है। परंतु वे जानते बूझते इस ओर ध्यान नहीं देते है जिसका परिणाम है कि क्षेत्र में बच्चों की पढ़ाई का स्तर गिर रहा है? वही शालाओं के बच्चों को पौष्टिक मध्यान्ह भोजन भी सिर्फ कागजो तक ही सिमित नजर आता है? जिसमें देखा जावे तो कुछ शालाओं की स्थिति इस प्रकार से रहती है कि मध्यान्ह भोजन की मात्र रस्म अदायगी ही साबित हो रही है।

भीषण गर्मी के दौरान अषोषित बिजली कटौती ने छीना आमजन का अमन व चैन

सालीचौका। भले ही केन्द्र से लेकर प्रदेश में बैठी हुई सरकारों द्वारा अपने आपकों किसान हितैषी बताते हुये किसानों की मदद के लिये खड़े रहने का वादा किया जाता रहे मगर इस समय किसान जिस मुश्बित से परेशान होते हुये देखा जा रहा है उस और न तो सरकार द्वारा ध्यान दिया जा रहा है और न ही क्षेत्र के जिम्मेदार माने जाने वाले जन प्रतिनिधियों के द्वारा जिसका परिणाम है कि किसानों को अपने खेतों में लगाई गई मूंग सहित गन्ना फसल की सिंचाई करने के लिये बिजली ही नही मिल पा रही है तो दूसरी ओर भीषण कर्मी के दौरान हो रही अघोषित बिजली के कटौती के कारण आमजन का अमन चेन छिनते हुये जान पड़ रहा है। कहने के लिये तो सरकार द्वारा किसानों को सिंचाई हेतु 10 घंटे व आम लोगों के लिये 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया गया है और आये दिन क्षेत्र में होने वाले कार्यक्रम के दौरान सत्ता पार्टी से जुडे हुये नेता किसानों को सिंचाई हेतु पर्याप्त बिजली देने का डिंडोरा पीटते हुये देखे जाते है। मगर इन दिनों बिजली क अभाव में किसानों के खेतों की क्या हालत हो रही है इस ओर न तो बिजली विभाग के अधिकारी ध्यान दे रहे है और नही क्षेत्र के जन प्रतिनिधि जिसके चलते क्षेत्र के किसानों द्वारा बड़ी उम्मीदों के साथ अपने खेतों में मूंग फसल बोई गई थी मगर बिजली नही मिलने से सिंचाई के आभाव में सूखते हुये दिखाई देने लगी है। इस तरह सालीचौका क्षेत्र में किसानों को सिंचाई के लिये निर्धारित समय 10 घंटे में से मुश्किलों के बीच 2 से 3 घंटे ही बिजली मिल पा रही है। वही दूसरी ओर ग्रामीणों को उपयोग हेतु 24 घंटे उपलब्ध रहने वाले अटल ज्योति योजना की बिजली का हाल तो इस तरह देखा जा रहा है कि उसका बोल्टेज कास रोना तो आम बात बनी ही रहती है और दिन रात में कई घंटे तक कटी रहने के कारण लोग गर्मी के दिनों में सुख चेन के साथ सो तक नही पा रहे है।

महाविद्यालय मुख्य मार्ग पर आये दिन गिट्टी बिखरने से घटित हो रही घटनाओं में घायल हो रहे लोग

गाडरवारा। क्षेत्र की सड़को पर ओवर लोड़गि दौड रहे वाहन तथा सड़क किराने पड़े हुई निर्माण सामग्री के चलते प्रशासन द्वारा नजर अंदाज किये जाने का परिणाम निश्चित तौर से उन वाहन चालकों को भोगने के लिये मजबूर होते हुये देखा जाता है जो उन मार्गो से अपने वाहन लेकर निकलते है। जिसमें मुख्य रूप से देखा जावे तो क्षेत्र मुख्य सड़क जो गाडरवारा से कौड़यिा या फिर पिपरिया की ओर जाती है यह राष्ट्रीय स्तर का मार्ग होने से यहां पर 24 घंटे वाहनों की धमाचौकड़ी मची हुई देखी जा रही है और उसी मार्ग के किनारे हमारे नगर का पीजी कालेज भी स्थित है। इस तरह यहां से निकले वाले गिट्टी व मिट्टी सहित रेत को ओवर लोड़गि भरकर ले जाने वाले डम्फरों की स्थिति इस तरह बनी रहती है कि जब वह इस मार्ग से तेज गति में दौड़ते हुये जाते है तो गिट्टी मुख्य मार्ग पर गिरने से नही चूकती है तो दूसरी ओर सड़क के किनारे रखे रहने वाली गिट्टी भी लगातार फैलते हुये मुख्य मार्ग पर पहुंच जाती है जो आये दिन वाहन चालकों के लिये परेशान का कारण तो बनती ही रहती है। मगर सबसे अधिक परेशानी महाविद्यालय के उन छात्र छात्राओं को उठाना पड़ती है जो अपनी बाइक के माध्यम से कालेज जा रहे होते है और इस तरह मुख्य मार्ग पर पड़ी हुई गिट्टी में उनक बाइक स्लिप होने के कारण दुर्घटना का शिकार हो जाती है। इस सच्चाई की ओर क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है ।

खबर संक्षेप

सिरफिरे युवक ने कैंची मारकर कर दी महिला की हत्या,गिरफ्तार

डिंडौरी। जिला मुख्यालय के नर्मदा गंज स्थित किराए के मकान में रहने वाली 28 वर्षीय महिला की सिरफिरे ने कपड़े काटने वाले केंची से प्राण घातक वार कर मौत के घाट उतार दिया। घटना सुबह लगभग 8.30 बजे की बताई जा रही हैं, महिला अपने किराए के मकान में कपड़े सिलाई का काम कर रही थी इसी बीच महिला का प्रेमी पहुंचा और उसने केंची उठा महिला पर हमला कर दिया, घायल महिला की चीख पुकार सुन पड़ोस की एक युवती महिला की मदद के लिए पहुंची किंतु सिरफिरे युवक ने धमकाकर युवती को भगा दिया, बताया गया की महिला का नाम उमा बाई पिता पोथी उम्र लगभग 28 वर्ष निवासी कुकर्रामठ है। जिसका विवाह पूर्व में एक युवक से हुआ था। महिला अपने पति के साथ नहीं रहकर डिंडोरी में किराए के मकान में रहती थी और सिलाई का काम करती थी। फिलहाल महिला की हत्या के आरोपी धनीराम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है। महिला के पति ने इस घटना को किन कारणों से अंजाम दिया इसका खुलासा फिलहाल नहीं हो सका है।

पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर किया गया न्यायालय में पेश

अमरपुर। विगत 23 अप्रैल को मृतिका सुनीता दर्राका पिता पंचम दर्रका को आरोपी अपने साथ रायपुर ले जाकर रायपुर में कमरे में बंद करके रखा और जहर खिलाकर हत्या करने का प्रयास किया। जिससे 26 अप्रैल को सुनीता दर्राका की इलाज के दौरान डिंडौरी में मृत्यु हो गई थी। जिस पर पुलिस द्वारा आरोपी गंगा प्रसाद धनगर के विरुद्ध हत्या का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की गई। पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीओपी बजाग पुरुषोत्तम सिंह मरावी के निर्देशन में थाना प्रभारी समनापुर कामेश धूमकेती, चैकी प्रभारी अमरपुर अतुल हरदहा एवं टीम द्वारा थाना समनापुर के अपराध क्रमांक 217द्24 धारा 366, 342, 328, 302 ताहि के प्रकरण में आरोपी गंगाराम धनगर पिता मूलचंद धनगर उम्र 21 वर्ष निवासी नांदा माल को शनिवार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से आरोपी को जेल में भेजा गया।

स्कूल के प्यून के रूप में शव की हुई शिनाख्त

कोतमा। पुलिस थाना भालूमाड़ा अंतर्गत ग्राम पंचायत धुरवासिन के खर्राटोला सोन नदी के समीप एक अज्ञात व्यक्ति का शव ग्रामीणों द्वारा देखा गया इसके बाद ग्रामीणों द्वारा 100 डायल को जानकारी दी गई जहां मौके पर हंड्रेड डायल पहुंचकर मृतक के पहचान में जुटी हुई थी जहां मृतक का नाम प्रेमलाल प्रजापति 58 वर्ष पिता भीखम प्रजापति निवासी ग्राम मुर्रा के रूप में हुई है जो हायर सेकेंडरी स्कूल अमगवां में प्यून के पद पर पदस्थ थे जिन्हें पैरालिसिस की शिकायत थी उक्त व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़ा हुआ था जिसे ग्रामीणों ने देखा और तुरंत 100 डायल को इसकी जानकारी दी जहां मौके पर हंड्रेड डायल पहुंचकर मृतक के पहचान में जुटी हुई थीए ग्रामीणों ने बताया मृतक व्यक्ति छोटी एक्सेल गाड़ी में था जिसमें बैसाखी भी बंधा हुआ है जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि वह चल फिर नहीं पाते थे।

स्वच्छता अभियान का निरीक्षण

जैतहरी। स्वच्छता पखवाड़ा अभियान अंतर्गत नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ताए मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्र सिंह एवं कर्मचारियों द्वारा लगातार नगर परिषद जैतहरी के सभी वार्डों का भ्रमण कर साफ सफाई के लिए लगातार अथक प्रयास किया जा रहे हैं।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की सराहनीय पहल

नेशनल लोक अदालत में 13 जोड़ों की पुनः बसी गृहस्थी

परिवारिक विवाद के 36 प्रकरणों को सुलझाने की गई पहल

समझाईस के बाद 13 जोड़ो ने हँसी खुशी से साथ रहने का लिया फैसला

अक्सर विवाह के कुछ महीने या साल भर बाद ही दंपती के बीच छोटी-छोटी बातों पर विवाद की शुरुआत होती है। फिर दोनों एक-दूसरे से अलग रहने लगते हैं।

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

पुलिस तक शिकायत पहुंच जाती है। ऐसे घरेलू मामले में पुलिस अब सीधे मुकदमा दर्ज नहीं करती बल्कि परिवार परामर्श केंद्र में भेज देती है। ऐसे ही मामलों को महिला थाना डिंडोरी मे संचालित परिवार परामर्श केंद द्वारा माननीय न्यायालय डिंडोरी में आज दिनांक 11 मई को आयोजित नेशनल लोक अदालत में परिवार परामर्श केंद्र की टीम द्वारा 36 दंपतियों की काउंसलिंग की जिसमें तेरह जोड़ों के बीच समझौता हुआ तथा 03 जोड़ों को न्यायालय न्यायार्थ जाने का परामर्श दिया गया। पति-पत्नी के बीच विवाद को महिला थाना डिंडोरी के महिला पुलिस काउंसलर ने बैठकर सुनवाई की,जिनमें से 13 जोड़े खुशी-खुशी अपने घर गए।

नेशनल लोक अदालत में परिवार परामर्श केंद्र डिंडोरी में आज 36 प्रकरणों की फाइलें आई। जिसमें 13 प्रकरणों में पति-पत्नी के बीच लंबे समय से चल रही अनबन को दूर करने में महिला थाना पुलिस कौंसलरों की समझाइश के बाद पक्षकारों ने आपसी मनमुटाव को भूलकर जीवन-भर साथ जीवन गुजारने का संकल्प लिया और राजीनामा कर अपने-अपने घरों को हंसी-खुशी समझाइस के बाद एक दूसरे के साथ दोबारा कभी लड़ाई न लड़ने और साथ रहने का वादा किया, इस दौरान न्यायधीश जिला सत्र न्यायाधीश नीना आशापुरे, प्रथम जिला न्यायाधीश मुकेश कुमार डागी,मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी चंदन सिंह चैहान,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उत्तम डार्बी एवं लोक अभियोजन अधिकारी श्री मनोज वर्मा, लक्ष्मी नारायण साहू मौजूद रहे। समझाईस एवं समझौते के बाद 13 जोड़ों ने एक दूसरे को माला पहनाया और खुशी खुशी अपने घर के लिए रवाना हुए ।

विवादग्रस्त दंपत्तियों की काउंसलिंग में महिला थाना प्रभारी उप निरीक्षक गंगोत्री तुरकर, बी.एल. बरकड़े, प्रआर माखन परस्ते,म.प्रआर. भुवनेश्वरी,मआर. अमिता मार्को और अन्य स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

अज्ञात कारणों से सूने घर में लगी अचानक आग

आग की चपेट में आने से दो मोटर साइकिल जलकर खाक

मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड वाहन, आग पर पाया गया काबू

हरिभूमि न्यूज शहपुरा।

मिली जानकारी अनुसार शहपुरा नगर वार्ड क्रमांक 1 के सूने घर में अज्ञात कारणों से आग लग गई घर में रखी दो मोटर बाइक जलकर खाक हो गई ,मामला डिंडोरी जिला की शहपुरा नगर वार्ड क्रमांक 1पुष्पा बैरागी के घर का है जानकारी अनुसार घर में अचानक अज्ञात कारण से सूने घर में जब घर में कोई नहीं था तभी अचानक आग लग गई आग लगते ही आसपास क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई, मोहल्ले वासियों ने तत्परता दिखाते हुए आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन आग में एक स्कूटी व एक सुजुकी मोटरसाइकिल जलकर खाक हो गई,मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड वाहन तब जाकर आग पर काबू जा सका।

कलेक्टर ने गाड़ासराई में अधिकारियों की ली बैठक

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने 26 मई को जिला डिंडोरी के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बजाग के ग्राम चाड़ा में आयोजित होने वाले आयुर्वेदिक स्वास्थ्य कैंप के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक की, उक्त बैठक में एसडीएम बजाग आर पी तिवारी, सीईओ जनपद पंचायत समनापुर सी पी साकेत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।कलेक्टर ने बताया की अरविंदो महाविद्यालय इंदौर के विशेषज्ञ चाड़ा में स्वास्थ्य कैंप में भाग लेंगे जिसमें आयुर्वेद के विभिन्न पहलुओं के माध्यम से उपचार सुविधा दी जाएगी, इस स्वास्थ्य कैंप का उद्देश्य आयुर्वेद पद्धति से उपचार की जानकारी आमजनों तक देना है, साथ ही स्वास्थ्य से वंचित लोगों तक स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराना है। कलेक्टर ने अधिकारियों को कैंप के आयोजन के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

इसके अलावा कलेक्टर विकास मिश्रा ने समनापुर में चल रहे समर कैंप की प्रगति की जानकारी ली और राजस्व प्रकरणो में तीव्रता लाने के लिए निर्देशित करते हुए समय सीमा में कार्य पूरा करने के लिए निर्देश दिए।

कोतमा जनपद के पंचायतों में अनियमितताओं की बाढ़

फर्जी बिलों में लाखों का भुगतान, जिम्मेदार बने अंजान

कोतमा।

जनपद पंचायत कोतमा अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में जिम्मेदार अधिकारियों की सांठ.गांठ से जमकर अनियमितता की जा रही है। ग्रामीणों के शिकायतों के बाद भी सरपंच.सचिवों पर कोई ठोस कार्यवाही होती नहीं दिख रही हैं।

कमीशन के खेल में आंखों में चश्मा

ग्रामीणों की मानें तो गांव में सरकार की संचालित योजनाओं में भ्रष्टाचार किया जा रहा हैं। जिसकी निगरानी करने वाले अधिकारी भी कमीशन के खेल के चलते आंखों पर चश्मा चढ़ाए चुप्पी साधे बैठे हैं।

विकास कार्य में अनियमितता

ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले सभी निर्माण कार्यों में भारी अनियमितता बरती जा रही है। जिस में इंजीनियरों की सहभागिता से इनकार नहीं किया जा सकताए कुछ ग्राम पंचायतों में बने सामुदायिक भवनए सीसीए सड़क पुलिया सहित अन्य निर्माण कार्य गुणवत्ताहीन तरीके से कराये जा रहे हैं। जिसकी शिकायत भी कई ग्रामीणों ने जनपद पंचायत के अधिकारियों सहित सीएम हेल्पलाइन में भी की लेकिन कार्रवाई के नाम पर आज तक कुछ भी होता नहीं दिखाई दे रहा हैं।

कई कार्य कागजों में पूर्ण

क्षेत्रीय लोगों की माने तो विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की सहमति से ग्राम पंचायतों में योजनाओं सहित अन्य कार्यों में जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। आलम ये है कि कमीशन के खेल के चलते शिकायतों पर अधिकारी ध्यान नहीं देते। इतना ही नहीं अधिकारी केवल कागजों में भ्रमण दिखा घर में ही घुसे रहते है। इनके चंगु.मंगू व पंचायतों के इंजीनियरों ग्राम पंचायतों से खुद और इनके नाम से कमीशन वसूला जाता है। वही ज्यादातर काम गुपचुप तरीके से महज कागजों में ही पूरे किए जा रहे है। जिसकी जानकारी ग्रामीणों को नहीं हो पाती हैं।

अधिकारियों की सांठगांठ

कोतमा जनपद में हो रहे कारनामों पर अधिकारियों की चुप्पी एक बड़ा प्रश्न चिन्ह है एवं इस बात का पुख्ता सबूत है कि यह पूरा खेल उन्ही के संरक्षण में खेला जा रहा है। तभी तो बिना जीएसटी फर्जी बिलो को स्कैन करके ग्राम पंचायतों में कई बिलो से बड़ी.बड़ी राशि का आहरण कर लिया गया है जो पूर्णता नियम के विरुद्ध है। इतनी बड़ी हेराफेरी के बाबजूद जनपद के जिम्मेदार मूकदर्शक बने हुए हैं।

फर्जी बिलों से भुगतान

जनपद पंचायत कोतमा क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों में फर्जी फर्मों के जरिए भुगतान हो रहे हैं। जानकारी के बाद भी अधिकारी कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं। इन मामलों में वाणिज्यकर विभाग को संज्ञान लेना चाहिए। पंचायतों में फर्जी फर्मों द्वारा किस तरह बिल बनाकर आहरण किया गया। कोतमा जनपद में एक दर्जन से अधिक फर्जी फर्मों के जरिए मात्र जीएसटी नंबर लेकर भुगतान लिए हैं। जिसमें अधिकतर बिलों में रेतए मुरमए पत्थरए गिट्टीए सीमेंट के नाम पर लाखों का आहरण हुआ है। जिसमें सीमेंट को छोड़कर सभी खनिज है। जिस पर सरकार द्वारा रॉयल्टी भी वसूल की जाती है।

खनिज की रॉयल्टी की भी चोरी

मगर इन बिलों पर खनिज की आपूर्ति दर्शाकर न केवल राशि का आहरण किया बल्कि खनिज की रॉयल्टी की भी चोरी की। जांच इस बात की भी की जा सकती है कि जो बिल लगाए हैं वास्तव में उस सामग्री की खरीदी हुई है अथवा नहीं। वहीं ये भी जानना होगा कि लाखों की दुकानदारी करने वाले संचालकों के पास क्या नंबर एक की पूंजी थी। पहले क्या इनकम टैक्स विभाग में इन्होंने अपनी पूंजी को दशार्या है। इन सभी मुद्दों की जांच की जाए टोकाई खुलासा हो सकते हैं।

ऐसे हो रहा पूरा फर्जीवाड़ा

इस पूरे फजीर्वाड़े में फर्जी फर्मों का साथ ग्राम पंचायत के सरपंच.सचिवों ने बखूबी दिया है। फर्जी फर्मों के बिलों की बिना जांच.पड़ताल किए ही पंचायत ने राशि भुगतान कर दी। जबकि उस कार्य में इतना सामान कहां लगा हैए इसका ध्यान नहीं दिया है। कई पंचायतों में लाखों के सीमेंटए सरियाए मटेरियलए मिठाईए खादए बीजए ट्रैक्टर कार्यए पौधा वितरण से लेकर हर काम एक ही दुकानदार द्वारा संचलित फर्म से बिल लगाए जा रहे हैं।

अधिकांश पंचायतों में फर्जी बिल

अस्तित्वहीन फर्मों के बिलों पर भुगतान का मामला कोई एक पंचायत का नहीं हैए कोतमा जनपद के ग्राम पंचायतों में ऐसे फजीर्वाड़े सतत रूप से चल रहे हैंए जिनकी यदि गंभीरता से अधिकारियों द्वारा जांच की जाए तोए पंचायत में किए जा रहे बड़े गबन सामने आ सकते हैं। मामला इलेक्ट्रानिक्स शॉप के बिल या पंचायत में निर्माण कार्यो के नाम पर भी भ्रष्टाचार अपनी चरम पर हैए पंचायतों द्वारा फर्जी बिलों की आड़ में बड़े भुगतान करके अपने घर भरे जा रहे हैंए यह भ्रष्टाचार बड़े स्तर पर नीचे से ऊपर तक मिलीभगत से हो रहा हैए जिसकी जांच समय रहते आवश्यक है।

भरोसेमंद सप्लायर को ढूंढते हैं सरपंच.सचिव

निर्माण कार्य से पहले सरपंच और सचिव निर्माण सामग्री सप्लाई करने के लिए भरोसेमंद सप्लायर को ढूंढ़ते हैं। जो उनकी सुविधा अनुसार बिल लगाकर दे। उस बिल के आधार पर सप्लायर्स को भुगतान किया जाता है। भुगतान के बाद सरपंचए सचिव राशि वापस ले लेते हैंए क्योंकि कुछ पंचायतों के निर्माण कार्य कागजों में ही पूरे होते है धरातल पर नहीं। इसीलिए हर पंचायत अलग.अलग फर्जी फर्म भी बनाती है।

नहीं अपनाई जाती प्रक्रिया

किसी भी सप्लायर्स को साम्रगी सप्लाई के लिए लायसेंसए जीएसटी नंबर सहित अन्य प्रक्रिया अपनानी जरूरी हैए उसके बाद ही वह सामग्री की सप्लाई कर सकता हैए लेकिन हर्रई में ऐसे सैंकड़ों सप्लायर्स हैं जो पंचायतों में फर्जी बिलों की आड़ में हर साल लाखों रुपए का कारोबार कर रहे हैं। कारोबार के नाम पर हाथ में उनके कुछ नहीं हैए लेकिन बिल के नाम पर वह लोहाए रेत से लेकर गिट्टीए सीमेंट और ईंट तक के बिल पंचायतों को दे रहे हैं। जो सप्लायर्स पंचायतों को केवल बिल देते हैं वह फर्जी बिल के रूप में कमीशन वसूलते हैं। इधर सप्लायर्स भी फर्जी बिल से शासन को टैक्स का नुकसान कर चपत लगा रहे हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 441 का हुआ निराकरण

1ए60 करोड़ से अधिक की राशि का अवार्ड पारित

अनूपपुर।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार 11 मई को जिला मुख्यालय अनूपपुरए तहसील कोतमा एवं राजेन्द्रग्राम की व्यवहार न्यायालय सहित 14 खण्डपीठों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जहां लंबित 3979 रेफर प्रकरणों को लोक अदालत में 441 प्रकरणोंए प्रीलिटिगेशन के 2973 से 136 प्रकरणों का निराकरण लोक अदालत के माध्यम किया गया। लोक अदालत में कुल राशि 1ए60ए06ए812 अवार्ड पारित किया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत जिला न्यायालय में प्रधान जिला न्यायाधीश रविन्दर सिंह द्वारा दीप प्रज्जवलित कर लोक अदालत का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिला न्यायाधीशध्सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मोनिका आध्याए प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश पंकज जायसवालए द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश नरेन्द्र पटेलए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट चैनवती तारामए न्यायिक मजिस्ट्रेट अंजली शाहए न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री पारूल जैनए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरीए अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संतोष सिंह परिहारए जिला विधिक सहायता अधिकारी दिलावर सिंह सहित अधिवक्तागण एवं कर्मचारीगणए लीगल एड डिफेंस काउंसिलए नगरपालिकाए विद्युतए बैंक के अधिकारीगणए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरालीगल वालेंटियर्स एवं पक्षकारगण उपस्थित रहे।

लोक अदालत न्यायालय अनूपपुर एवं तहसील न्यायालय कोतमा व राजेन्द्रग्राम में सहित 14 खण्डपीठों का गठन किया गया थाए जिसमें राजीनामा योग्य दाण्डिक प्रकरणए चेक अनादरण से संबंधित प्रकरणए बैंक वसूली प्रकरणए मोटर दुर्घटना दावाए वैवाहिक प्रकरणए श्रम विवादए भूमि अधिग्रहणए सिविल प्रकरण एवं बिजली व पानी के बिल से संबंधित प्रकरणों का निराकरण आपसी राजीनामा द्वारा किया गया। जिला मुख्यालयए अनूपपुरए तहसीलय सिविल न्यायालय कोतमा एवं तहसीलय सिविल न्यायालय राजेन्द्रग्राम में लंबित 3979 प्रकरणों को लोक अदालत मे रेफर किया गयाए जिनमे से कुल 441 प्रकरणों का निराकरण हुआ। प्रीलिटिगेशन के 2973 प्रस्तुत प्रकरणों में 136 का निराकरण लोक अदालत के माध्यम से हुआ। जिसमें कुल राशि 1 करोड़ 60 लाख 06 हजार 812 अवार्ड पारित किया गया। लोक अदालत मे आपसी सुलह एवं सामंजस्य के आधार पर आपसी राजीनामा कर पारस्परिक भाईचारा एवं सौहार्द रहा।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, सोमवार 13 मई 2024

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

स्व मणिना गेन्द्र सिंह पटेल की पुण्य स्मृति में श्रीमद्भागवत कथा का अयोजन

नरसिंहपुर। समाजसेवी स्वर्गीय मणिनागेन्द्र सिंह की स्मृति में लगातार विविध कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं, इसी श्रृंखला के अंतर्गत कथा यजमान जालम सिंह पटेल, सुमनलता पटेल, मुलायम सिंह पटेल, यशोदाबाई पटेल, प्रहलाद सिंह पटेल, पुष्पलता पटेल, सरदार सिंह पटेल, कल्पभालता पटेल के द्वारा मां नर्मदा जी की अनुकंपा से कीर्तिशेष स्व मणिनागेन्द्र की प्रथम पुण्यतिथि पर वैशाख शुक्ल पक्ष पंचमी से वैशाख शुक्ल पक्ष एकादशी तक श्रीमद् भागवत कथा मूल पाठ का आयोजन 12 मई से 19 मई दिन रविवार तक स्थान निज निवास, किसानी मोहल्ला में आयोजित की जा रही है। श्री पटेल परिवार ने सभी क्षेत्रीय धर्म प्रेमियों से कथा में सम्मिलित होकर धर्म लाभ उठाने की अपील की है।

पानी में डूबने से बालक की मौत

नरसिंहपुर । गत दिवस सूरजकुंड घाट नर्मदा नदी में नहाते समय 11 वर्षीय बालक पानी में डूब गया जिससे उसकी मौत हो गई । पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार लखन पिता चंद्रभान मेहरा उम्र 11 वर्ष निवासी गुंदरई थाना ठेमी अपने परिजनों के साथ नर्मदा स्नान हेतु सूरजकुंड गया हुआ था जहां पर नहाते समय गहरे पानी में चला गया और डूबने से मौत हो गई परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर परीक्षण के दौरान डॉक्टर द्वारा मृत घोषित कर दिया पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए मार्ग पंचनामा तैयार कर शव का परीक्षण कर कर परिजनों को सौंप दिया।

सड़क दुर्घटना में व्यक्ति की मौत

नरसिंहपुर। गत बस सड़क हादसे में व्यक्ति की मौत हो गई । पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मोहम्मद नौशाद मंसूरी पिता सलीम मंसूरी उम्र 40 वर्ष निवासी 58 सेक्टर थाना द्वारकापुरी इंदौर की गुटोरी थाना तेंदूखेड़ा के पास हुई सड़क दुर्घटना में घायल हो गया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया गया पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए मर्ग कायम कर सब का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया ।

शराबी स्वास्थ्य कर्मचारी और एम्बुलेंस चालक निलंबित

नरसिंहपुर। गोटेगांव उपस्वास्थ्य केन्द्र में विगत दिनों स्वास्थ्य कर्मचारी और एम्बुलेंस चालक द्वारा की गई शराबखोरी और हंगामें के बाद जहां गोटेगांव थाना पुलिस ने दोनों पर कार्रवाई की, वही पूरे मामले की जानकारी स्वंय जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा स्वत संज्ञान लेते हुए ली गई है। इसके साथ ही सीएमएचओ राकेश बोहरे ने कर्मचारी सहित एम्बुलेंस चालक पर कार्रवाई करते हुए निलंबन की कार्रवाई करते हुए बीएमओ एसएस धुर्वे को मामले की जांच का प्रतिवेदन बनाकर देने का आदेश दिया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने नईदुनिया से चर्चा करते हुए कहा, कि इस तरह का कृत्य कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। वही बीएमओ के लचर रवैये को लेकर उन्होने कहा, कि बीएमओ की भूमिका की भी जांच की जायेगी। विदित हो, कि गोटेगांव स्वास्थ्य केन्द्र में अधिकारियों और कर्मचारियों की मनमानी पूरे चरम पर थी, जिसके कारण जहां न केवल मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ता था, वही अस्पताल परिसर में शराबखोरी की जाती थी, स्थानीय लोग बताते है, कि शाम होते ही समूचा स्वास्थ्य केन्द्र शराब अहाते के रूप में परिवर्तित हो जाता था। कर्मचारी और एम्बुलेंस चालकों द्वारा की जा रही शराबखोरी और आए दिन इनके द्वारा किए जा रहे ।

तेज हवा के साथ हुई बारिश, बिजली आपूर्ति रही बंद

किसानों की आशाओं पर पानी फेर रही बारिश

पश्चिमी विक्षोभ के कारण बन रहे कम हवा के दबाव के चलते गर्मी बारिश और हवा के कारण मौसम का मिजाज बदल गया है। सुबह से शाम तक तेज धूप के कारण जहां आम जनजीवन प्रभावित बना रहा, वहीं अचानक हवा के बीच पानी बरसने से उमस भरी गर्मी से जन जीवन अस्तव्यस्त हो गया।

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

रविवार को अपराह्न अचानक बिगड़े मौसम मिजाज के कारण तेज बारिश हो गई, फिर थोड़ी देर बाद फिर धूप निकल आई। इसी बीच रोज की तरह बिजली गुल हो जाने की स्थिति में उमस भरी गर्मी ने सभी को प्रभावित कर दिया। बिजली गुल होने के चलते सभी तेज गर्मी से हलाकान दिखाई दिये।

मूंग की फसल होगी प्रभावित

गर्मी मौसम की मूंग अधिकांश किसानों के द्वारा लगाई गई है। फसल बोबनी के बाद से अनूकूल माहौल मिलने के कारण फसल अच्छी स्थिति में बताई जा रही है। लेकिन अचानक बिगड रहे इस मौसम के कारण फूल वाली मूंग के साथ कटने को तैयार मूंग प्रभावित हो सकती है। लेकिन जहां लेट बोनी हुई थी, उन फसलों को यह बरसात बरदान साबित हो सकती है। अधिकांश गांवों में बिजली न मिलने के कारण फसल को पानी नहीं मिल पा रहा है। उन स्थानों पर यह बारिश वरदान साबित हो सकती है। विदित हो, कि रवि मौसम की फसलें मौसम की मार के कारण बुरी तरह से प्रभावित हो गई थी। जिस कारण से कृषकों की लागत मूल्य भी नहीं निकल सकी थी। उसकी भरपाई इस ग्रीष्म कालीन मूंग और सोयाबीन से होने की अन्नदाता उम्मीद लगाए हुए थे, लेकिन बारिश ने इन उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।

गोटेगांव में तेज हवा ने उखाडे. बिजली के खंबे

गोटेगांव तहसील में दोपहर पश्चात खराब हुए मौसम के बीच बिजली ने भी दगा दिया। क्षेत्र भर में जगह-जगह तेज हवाओं और बारिश के बीच फाल्ट की संख्या बढ़ गई। इस पर बिजली कर्मियों की टीमों को फाल्ट सही करने के लिए दौड़ाया गया। शहर में रविवार की दोपहर से ही लगातार फाल्ट हुए, नगर के मुरलीधर वाद वार्ड, सरदार बार्डिया, बैलहाई बाजार सहित क्षेत्र में कई जगह बिजली लाइन क्षतिग्रस्त हुई है। पोल उखड़ने से समूचे गोटेगांव क्षेत्र की बिजली गुल हो गई। बारिश थमते ही बिजली विभाग के कर्मचारियों ने फाल्ट को सही कर शाम तक बिजली सुचारू कर दी। बताते हैं कि हवा और बारिश की वजह से लाइट खराब हुई है, सुशील रघुवंशी प्रमुख अभियंता एवं जेपी चौकसे नगर अभियंता के मार्गदर्शन में सुधार कार्य जारी रखा गया है।

मौसम विभाग ने पूर्व में ही दी थी, चेतावनी

मौसम विभाग ने पूर्व से ही तेज हवा और बूंदाबांदी को लेकर चेतावनी जारी की थी, पश्चिमी विक्षोभ के असर से अभी मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा। धूप बादल के बीच नरसिंहपुर संभाग के अधिकांश स्थानों पर गरज, चमक के साथ हल्की वर्षा की संभावना जताई गई थी। मौसम विभाग ने चेतावनी दी थी, कि कहीं-कहीं 30 से 40 किमी प्रति घंटे की गति से आंधी व झंझावत का भी येलो अलर्ट जारी किया गया था। वही आज का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

ऐसे बदल रहा मौसम का मिजाज

मौसम कार्यालय के अनुसार वर्तमान में पश्चिमी विक्षोभ से चक्रवाती परिसंचरण के रूप में ईरान के ऊपर सक्रिय है। एक अन्य चक्रवातीय परिसंचरण पूर्वोत्तर पूर्वोत्तर राजस्थान के ऊपर सक्रिय है साथ ही एक ट्रफ राजस्थान से होते हुए मध्यप्रदेश और झारखंड से होते हुए असम तक विस्तृत है। एक अन्य मौसमी प्रणाली मध्यप्रदेश के ऊपर मजबूती से सक्रिय है। इन सभी के प्रभाव से आगामी 13 मई तक मौसम का मिजाज बदला रहेगा।

संभागीय कोषालय की टीम कर रही भ्रष्टाचार की जांच

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नरसिंहपुर में जारी भ्रष्टाचार को लेकर की जा रही जांच है। पूर्व में जहां चींचली में शिक्षा विभाग में पदस्थ अधिकारियों का पूर्व में किया गया भ्रष्टाचार सामने आ चुका है। वही गोटेगांव में भी तीसरे दिन तक की जा रही संभागीय कोषालय की टीम द्वारा की जा रही कार्रवाई अब नगर में चर्चा का विषय बनी हुई है। बीईओ कार्यालय गोटेगांव में जारी इस कार्रवाई में विभाग में जमें अधिकारियों और कर्मचारियों की मिली भगत से किए गए भ्रष्टाचार की परतें अब संभागीय कोषालय की टीम परत दर परत खोल रही है। कोषालय टीम से जुडे.अधिकारियों के अनुसार अब तक कार्रवाई में शिक्षा विभाग के अधिकारियों की कलई खुलती जा रही है और समूचे भ्रष्टाचार की अगर बात की जाये तो यह लगभग एक करोड़ तक जा सकती है। शनिवार को भी दिन भर अधिकारियों द्वारा जांच की कार्रवाई जारी रखी गई, इस दौरान मीडिया के लोगों को भी इससे दूर रखा गया है। बंद कमरों में जारी पूछताछ और दस्तावेजों की जांच अब तक कई भ्रष्टाचार सामने ला चुकी है। साथ ही यह भी कि किस तरह से भ्रष्टाचारियों को उपकृत करते हुए विभाग के अधिकारियों ने भ्रष्टाचार की मलाई का स्वाद चखा है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय गोटेगांव में अधिकारियों, बाबुओं एवं कुछ शिक्षकों की मिली भगत से सरकारी खजाने से करोड़ों रुपए पार कर दिए गए है।

लूट की मिली खुली छूट

जांच में प्रथमदृष्टया ऐसा नजर आ रहा है, कि भ्रष्टाचार की कुल राशि एक करोड़ से भी कहीं ज्यादा है। आश्चर्य की बात है, कि अब तक शिक्षा विभाग मौन क्यों धारण करके रखा हुआ था। ऐसा तो संभव है, ही नहीं कि, इतनी बड़ा गबन विभाग में होती रहा और विकासखंड शिक्षा अधिकारी या जिला शिक्षा अधिकारी की जानकारी में यह मामला न आया हो। लेकिन आज तक कोई बड़ी कानूनी कार्यवाही जिला शिक्षा अधिकारी या कलेक्टर के द्वारा नहीं की गई है। मात्र औपचारिकता के लिए एक शिक्षक अकरम खान और अतुल मिश्रा को निलंबित किया गया एवं बहाली में उन्हें उनके मन माफिक स्थान पर नियुक्त कर दिया गया। परिणाम यह हुआ, कि जैसे सरकारी खजाने को लूटने का लाइसेंस मिल गया। वर्तमान में चल रही जांच के दौरान भी शिक्षकों के खातों में लाखों की राशि गलत तरीके से जमा की गई है।

कौन है इस गबन का मास्टर माईंड

नरसिंहपुर जिले के विकासखण्डों में कथित रूप से किए गए भ्रष्टाचार की जांच के बाद जानकारी हासिल हुई है, कि सुनियोजित तरीके से अधिकारियों और कर्मचारियों की सांठगांठ के चलते इस भ्रष्टाचार को अंजाम दिया गया है। जांच में जहां छोटे प्यादों की बलि चढ़ाई गई, लेकिन इस बडे.भ्रष्टाचार का मास्टर माईंड आज भी पर्दे के पीछे है। लोगों को अब इस जांच से उम्मीद है, कि जहां कर्मचारियों और छोटे अधिकारियों के नाम सामने आएगें वही सिस्टम में बैठे उस खिलाड़ी का चेहरा भी उजागर हो जायेगा, जिसकी शह पर इन प्यादों ने भ्रष्टाचार को अंजाम दिया।

25 से 65 वर्ष तक की महिलाएं हुई परीक्षा में शामिल, हल किए प्रश्नपत्र

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती और ज्ञानार्जन की कोई उम्र नहीं होती इसी कथन को सत्य सिद्ध करते हुए गोटेगांव में 18 से 65 वर्ष की उम्र तक के स्वाध्यायियों ने विगत दिवस मनीपुंगव सुधा सागर महाराज द्वारा निर्मित द्वादश वर्षीय पाठ्यक्रम के अंतर्गत प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं दीं। गोटेगांव में द्वादश वर्षीय पाठ्यक्रम की संयोजिका वर्षा जैन ने बताया, कि लगभग 40 विद्यार्थियों ने प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं दीं, जिस उम्र में नाती, पोते स्कूलों की परीक्षाएं देते हैं, उस उम्र में ज्ञान की जिज्ञासु महिलाओं ने प्रश्न पत्र से उत्तर पुस्तिकाओं में उत्तर लिखे। उन्होंने कहा, कि महिलाओं को सारा दिन घर गृहस्थी के तमाम काम करने होते हैं, इसके बाद समय निकालकर स्वाध्याय करना काफी कठिन होता है। इसीलिए इन सभी परीक्षार्थियों का प्रयास काफी सराहनीय है। श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर द्वारा संचालित पाठ्यक्रम की परीक्षाओं का आयोजन दो चरणों में गोटेगांव के विद्या भवन में संपन्न हुए, जिसमें युवा एवं बुजुर्ग महिलाओं ने विद्यार्थी बनकर परीक्षा दी। वर्षा जैन ने पाठ्यक्रम के विषय में जानकारी देते हुए कहा, कि जैन धर्म के प्रारंभ से लेकर विशिष्ट ज्ञान के अध्ययन के लिए इस पाठ्यक्रम की शुरुआत की गई है जिससे कि हम स्वयं जैन धर्म के बारे में शिक्षित हो और आगे की पीढ़ियों को भी यह ज्ञान विरासत में दे सकें। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से दो चरणों में 2 वर्षों की आठ परीक्षाएं आयोजित की गई। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से जैन धर्म के मूल सिद्धांत, आदि पुराण, द्रव्य संग्रह आदि अनेक ग्रंथों का अध्ययन एवं स्वाध्याय किया जा सकेगा एवं इसके पेपर बोर्ड परीक्षाओं की तर्ज पर सांगानेर परीक्षा बोर्ड की ओर से आयोजित कराए जाएंगे। सभी परीक्षार्थियों ने परीक्षा को उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, कि एक बार फिर से हमें स्कूल और कॉलेज का जमाना याद आ गया। सभी ने मुनि सुधा सागर के प्रति कृतज्ञता दर्शायी और पाठ्यक्रम की संयोजिका वर्षा जैन के प्रति आभार व्यक्त किया। गोटेगांव के सभी लोगों और ट्रस्टीजनों ने सभी परीक्षार्थियों के प्रयासों की सराहना की।

अतिथियों, अभिभावकों ने देखी बच्चों की प्रतिभा

पेंटिंग सहित अन्य गतिविधियों में दिखाया हुनर

शासकीय सीएम राइज स्कूल डोभी में आयोजित हो रहे समर कैंप का हुआ गरिमामय समापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

शासकीय सीएम राइज स्कूल डोभी में शासन द्वारा संचालित 1 मई से चल रहे समर कैंप का रविवार को समापन हुआ। समापन कार्यक्रम की शुरुआत संस्था प्राचार्य अंजेश पटेल एवं राजेश्वरी साहू द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए की गई। संस्था में उपस्थित बच्चों के पालकों सहित सभी अतिथियों का संस्था द्वारा स्वागत किया गया। कक्षा 1 से 12 तक के सभी बच्चों द्वारा बनाई गई, चित्रकला एवं अन्य गतिविधियों का उपस्थित पालकों एवं अतिथियों द्वारा अवलोकन किया गया। इस अवसर पर संस्था प्राचार्य अंजेश पटेल ने उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं पालकों को शाला से संबंधित अन्य गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा, कि राज्य शासन के आदेश के तहत 1 मई से 12 मई तक समर कैंप का आयोजन सुबह 8 बजे से 10 तक किया गया, इसमें बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अवकाश के समय का सदुपयोग करते हुए किया गया। मार्गदर्शक शिक्षकों और रिसोर्स पर्सन द्वारा विद्यार्थियों की चयनित थीम के आधार पर विभिन्न कौशलो में दक्ष बनाया गया है। कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों को लोककला के अंतर्गत मधुबनी चित्रकला के मार्गदर्शन शिक्षिका नंदिनी नायक द्वारा दिया गया। कक्षा 6 से 8 तक की विद्यार्थियों को क्रिएटिव राइटिंग शिक्षक सुषमा सराठे द्वारा सिखाई गई। कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों को इंडोर गेम का प्रशिक्षण शीतल पटेल द्वारा दिया गया। इसके बाद वरिष्ठ शिक्षक गोठल सिंह पटेल ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा, कि आप सभी ने जो गतिविधियां तैयार की उनका निरंतर अभ्यास जारी रखें, आने वाले समय में यह गतिविधियां बहुत हितकारी साबित होगी। कार्यक्रम को अन्य अतिथियों द्वारा भी संबोधित किया गया। समर कैंप में बच्चों द्वारा चित्रकला, खेलकूद, व्यायाम आदि का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया जिसकी सभी ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। बच्चों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शिक्षकों एवं अतिथियों द्वारा मेडल, शील्ड व प्रमाण पत्रों का पुरस्कार भी प्रदान किये गए।

छप्पर अलग कर चोरी कर भाग रहे चोर को ग्रामीणों ने पकड़ किया पुलिस के हवाले

बड़े गिरोह की जताई जा रही संभावना

तेंदूखेड़ा- थाना क्षेत्र में हो रही बड़ी बड़ी चोरियों का अभी तक कोई सुराग नहीं लग सका है। वहीं शनिवार रविवार की दरमियानी रात को एक चोर समीपी ग्राम गुटोरी में प्रतिष्ठित कृषक मिथलेश पटेल एवं नीरज पटेल के घर में भीतर छप्पर निकाल कर भीतर जा घुसा और चोरी करके एक छप्पर से कूंद कर भाग ही रहा था कि एक वृद्ध महिला ने चोर को छप्पर से कूंदते देख तत्काल आवाज लगाई आवाज सुनकर परिवार के लोग उठे और वृद्ध महिला के अनुसार खेत से भागते हुए चोर का पीछा किया चोर चकमा देकर गन्ने के खेत में छिपने का प्रयास किया। मिथलेश के घर से सोने चांदी के जेबरात एवं 40 हजार नगद चोरी हुये है। यह खबर जंगल की आग की तरह पूरे गांव में फैल गई। ग्रामीणों के प्रयासों से पकड़ कर चोर को गांव में लेकर आयें और पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस चोर को पकड़कर थाने लाई है। उससे पूछताछ प्रारंभ की जा रही है। शारदा चैक गढ़ा जबलपुर के निवासी राजा बरमन के रूप मे चोर का नाम सामने आया है। पुलिस ने भा द स 1860 अधिनियम की धारा 447 380 के तहत फिलहाल कायमी करली है एवं सघनता से पूंछताछ की जा रही है। गौरतलब रहे कि काफी लंबे समय से ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी बड़ी चोरियां हो रही है और पुलिस को चोर हाथ नहीं लग पा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि सघनता से पूंछतांछ की गई तो मानकपुर बिजोरा काशीखेरी ईश्वरपुर बिचुआ देवरी सहित अनेक स्थानों पर जो चोरियां हुई है जिनका भी खुलासा होने की संभावनायें जताई जा रही है। चोर के साथ किसी गिरोह की संभावनाओं से भी इंकार नहीं किया जा सकता। चूंकि यह विषय पुलिस कार्यवाही के उपरांत ही स्पष्ट किया जा सकेगा। फिलहाल पुलिस पूछताछ में जुट गई है एवं अभी कुछ भी सार्वजनिक नहीं कर रही है। स्थिति स्पष्ट होने के बाद ही कुछ कहने को कह रही है।

अखिल भारतीय आध्यात्मिक उत्थान मण्डल द्वारा कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज- नरसिंहपुर।

ब्रह्मलीन द्वि पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज श्री जी के द्वारा अखिल भारतीय आध्यात्मिक उत्थान मण्डल की स्थापना सं 1966 में आदिवासी वनवासी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के धार्मिक उत्थान सामाजिक उत्थान हेतु की थी। पूज्य गुरुदेव भगवान ने जब ग्रामीण अंचलों में निवास करने वाले आदिवासी वनवासी भाइयों बहनों की वस्तु स्थिति को देखा तो उन्होंने उनके उत्थान के लिए सम्पूर्ण भारत वर्ष में अखिल भारतीय आध्यात्मिक उत्थान मण्डल अनेकों शाखाएं की स्थापना की जो अपने अपने क्षेत्रों निवासरत आदिवासी वनवासी भाइयों बहनों के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं।

समर कैंप का हुआ समापन

डोभी- शासकीय सीएम राइज स्कूल डोभी में शासन द्वारा संचालित 1 मई से चल रहे समर कैंप का रविवार को समापन हुआ। समापन कार्यक्रम की शुरुआत संस्था प्राचार्य अंजेश पटेल एवं श्रीमती राजेश्वरी साहू द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए की गई। संस्था में उपस्थित बच्चों के पालकों उपस्थित सभी अतिथियों का संस्था द्वारा स्वागत किया गया। कक्षा 1 से 12 तक के सभी बच्चों द्वारा बनाई गई चित्रकला एवं अन्य गतिविधियों का उपस्थित पालकों एवं अतिथियों द्वारा सूक्ष्म अवलोकन किया गया। इस अवसर पर संस्था प्राचार्य अंजेश पटेल ने उपस्थित छात्र छात्राओं एवं पलकों को शाला से संबंधित अन्य गतिविधियों को पालकों के समक्ष रखते हुए कहा कि राज्य शासन के आदेश के तहत दिनांक 1 मई से 12 मई तक समर कैंप का आयोजन संस्था में समय सुबह 8 बजे से 10 तक किया गया, इसमें बच्चों की सर्वांगीण विकास हेतु अवकाश के समय का सदुपयोग करते हुए समर कैंप का आयोजन किया गया। मार्गदर्शक शिक्षकों और रिसोर्स पर्सन द्वारा विद्यार्थियों की चयनित थीम के आधार पर विभिन्न कोशलो में दक्ष बनाया जा रहा है, कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों को लोककला के अंतर्गत मधुबनी चित्रकला के मार्गदर्शन शिक्षिका नंदिनी नायक द्वारा दिया गया। कक्षा 6 से 8 तक की विद्यार्थियों को क्रिएटिव राइटिंग शिक्षक सुषमा सराठे द्वारा सिखाई गई। कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों को इंडोर गेम का प्रशिक्षण शीतल पटेल द्वारा दिया गया। इसके बाद वरिष्ठ शिक्षक गोठल सिंह पटेल ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी ने जो गतिविधियां तैयार की उनका निरंतर अभ्यास जारी रखें आने वाले समय में यह गतिविधियां बहुत हितकारी साबित होगी। कार्यक्रम को अन्य अतिथियों द्वारा भी संबोधित किया गया। समर कैंप में बच्चों द्वारा चित्रकला, खेलकूद, व्यायाम ,आदि का जो प्रदर्शन किया उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया उसको प्रोत्साहन देने के लिए संस्था द्वारा सभी बच्चों को उपस्थित शिक्षकों एवं अतिथियों द्वारा मेडल, शील्ड, व प्रमाण पत्रों का पुरस्कार भी बच्चों को प्रदान किया गया।